

## कुंडली मिलान



वैदिक ज्योतिष में नक्षत्रों पर आधारित कुंडली मिलान करने का एक परखा हुआ बहुत ही उपयोगी तरीका है, जिसे अष्टकूट मिलान और गुण मिलाप भी कहा जाता है। यह ऐसे बिन्दुओं को चिह्नित करता है जो आपके विवाह को प्रभावित करते हैं। जितने ज्यादा बिंदु मिलेंगे, उतना ही अच्छा वैवाहिक जीवन होगा।

रिपोर्ट मूल्य:

US \$10 / INR Rs. ~~600~~ <sup>free</sup>

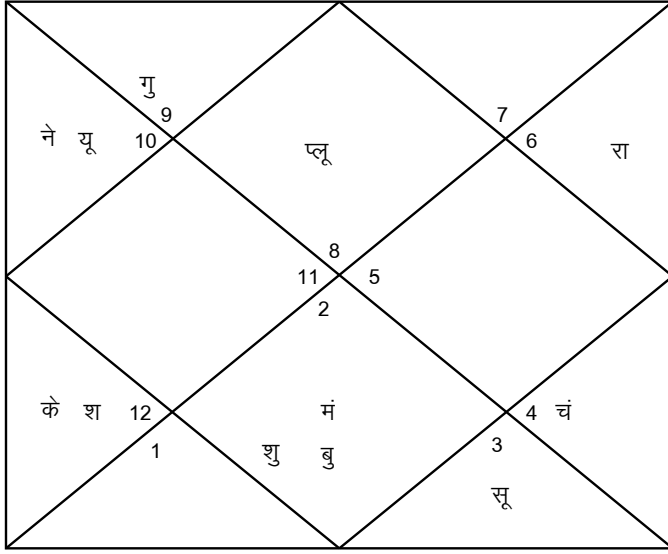
इस विधि में कुल 36 बिंदु होते हैं। यदि किसी जोड़े के 18 से कम गुण मिलते हैं तो उसे बहुत अच्छा नहीं माना जाता है।

विवाह के लिए इन 36 बिन्दुओं या गुणों के अलावा मंगल दोष भी देखा जाता है। इन सभी बातों के अनुरूप आपके लिए निम्न परिणाम है:

	KISHAN	RUCHI
लिंग	पुरुष	स्त्री
जन्मतिथि	20 : 6 : 1996	22 : 12 : 1999
जन्म का समय	17 : 0 : 0	20 : 0 : 0
जन्मदिन	गुरुवार	बुधवार
इष्टकाल	029-39-54	033-06-23
जन्म स्थान	Varanasi	Allahabad
टाइम जोन	5.5	5.5
अक्षांश	25 : 19 : N	25 : 57 : N
रेखांश	83 : 0 : E	81 : 50 : E
स्थानीय समय संशोधन	00:02:00	00:02:40
युद्ध कालिक संशोधन	00:00:00	00:00:00
स्थानीय औसत समय	17:1:60	19:57:20
जन्म समय – जीएमटी	11:30:0	14:30:0
तिथि	पंचमी	पूर्णिमा
हिन्दू दिन	बृहस्पतिवार	बुधवार
पक्ष	शुक्ल	शुक्ल
योग	हर्षण	जुक्ल
करण	भाव	भाव
पाया (नक्षत्र आधारित)	चाँदी	तांबा
दशा भोग्य	बुध 7 व 7 मा 16 दि	मंगल 1 व 0 मा 26 दि
लग्न	वृश्चिक	कर्क
लग्न स्वामी	मंगल	चंद्र
राशि	कर्क	मिथुन
राशि स्वामी	चंद्र	बुध
नक्षत्र-पद	आश्लेषा – 3	मृगशिरा – 4
नक्षत्र स्वामी	बुध	मंगल

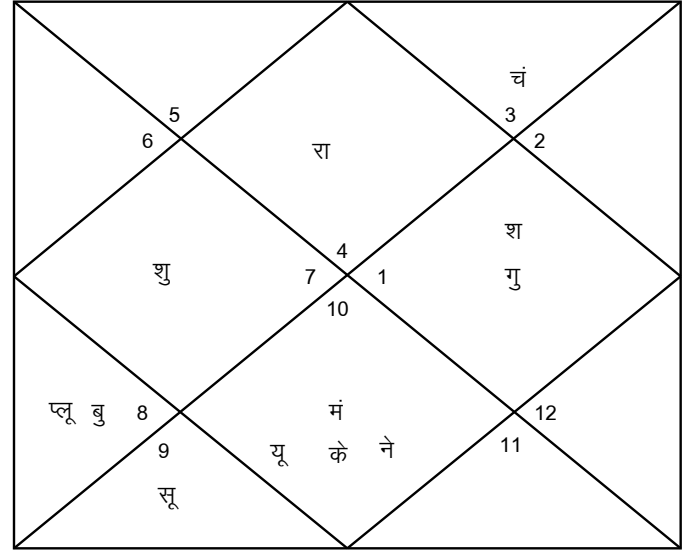
## Kishan

## लग्न कुण्डली

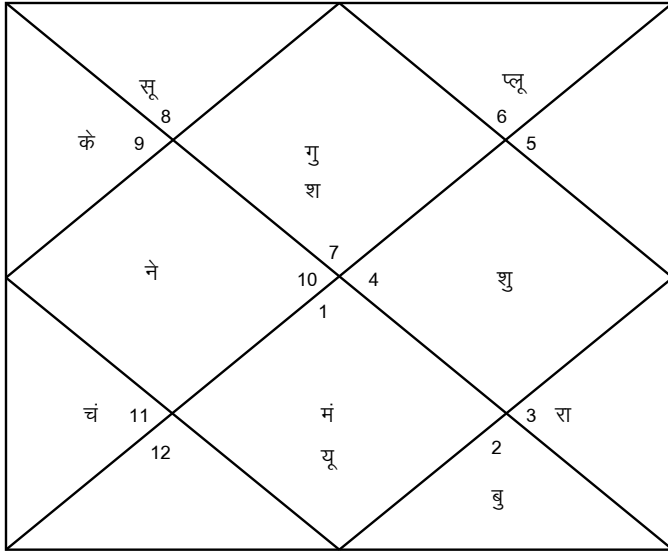


## Ruchi

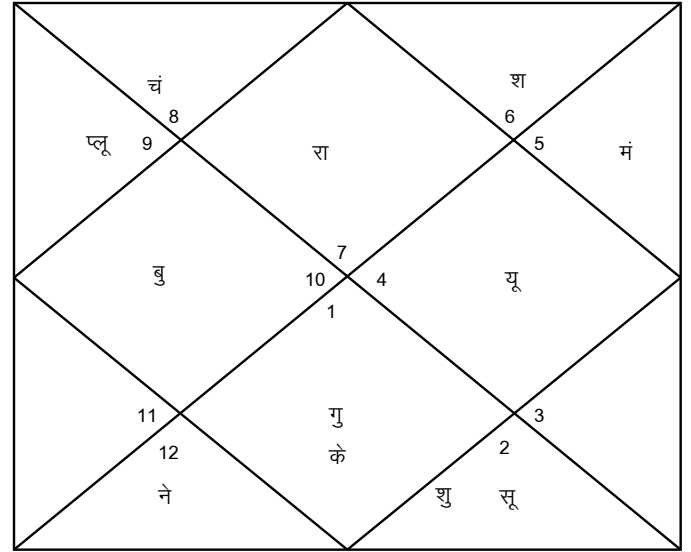
## लग्न कुण्डली



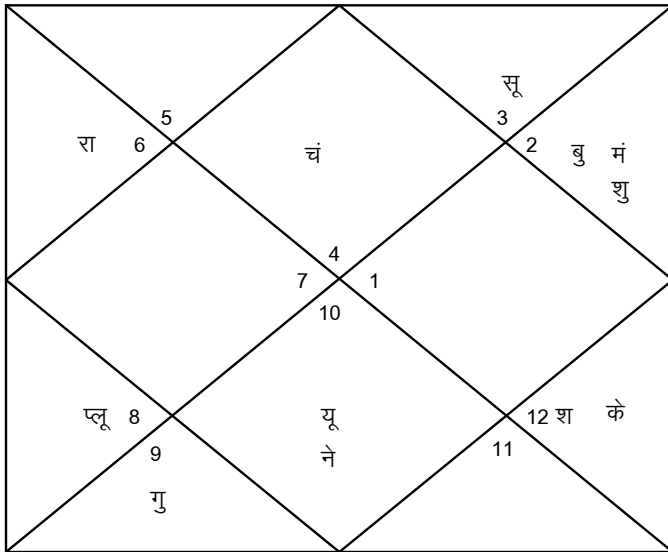
## नवमांश कुण्डली



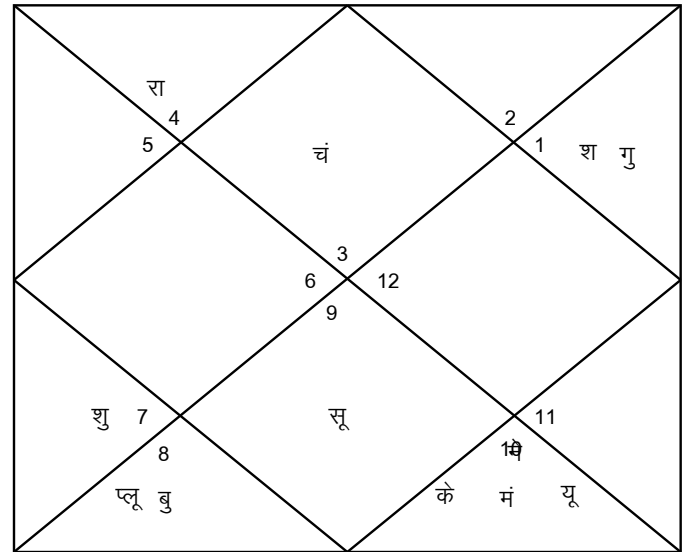
## नवमांश कुण्डली



## चंद्र कुण्डली



## चंद्र कुण्डली



## अष्टकूट अंक तालिका

गुण	लडका	लडकी	अधिकतम प्राप्त अंक	प्राप्त अंक	जीवन के क्षेत्र
वर्ण	ब्राह्मण	शूद्र	1	1	कार्यक्षेत्र
वश्य	जलचर	मानव	2	0.5	आधिपत्य
तारा	वध	साधक	3	1.5	भाग्य
योनी	विलाव	सर्प	4	1	मानसिकता
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1	सामंजस्य
गण	राक्षस	देव	6	1	गुण
भकूट	कर्क	मिथुन	7	0	प्रेम
नाड़ी	अंत	मध्य	8	8	स्वास्थ्य

कुल प्राप्त अंक: 36 में से 14

## मंगल दोष या कुज दोष

श्री Kishan निम्न मांगलिक हैं और सुश्री Ruchi उच्च मांगलिक हैं।

## निष्कर्ष

कम गुण मिलने और मंगल दोष होने के कारण यह विवाह श्रेयस्कर नहीं है।

विवाह विशेषज्ञ ज्योतिषियों से करें बात



पहली कॉल / चैट सिर्फ ₹ 1 में

अभी करें कॉल

## प्रत्येक बिंदु की व्याख्या

### वर्ण

लड़के का वर्ण ब्राह्मण है और लड़की शूद्र वर्ण के अन्तर्गत आती है। घरेलू कामों को करने के लड़की के तरीके से जातकों की सोच में विरोध पैदा हो सकता है। वहीं लड़की रोजमर्रा के कामों में लड़के के फलसफाना अन्दाज को पसंद नहीं करेगी। अतः उनके रवैये में तालमेल का अभाव संभव है, जो आम कामों में भी प्रतिरोध पैदा कर सकता है। हालाँकि लड़की पूरी मेहनत के साथ काम करेगी, लेकिन लड़के को उसका काम करने का अन्दाज ज्यादा बुद्धिमानीपूर्ण नहीं लगेगा। इसके चलते उनकी सोच में दूरी पनप सकती है और सामंजस्य में कमी आ सकती है। लेकिन अगर दूसरे गुण अच्छी तरह मिल रहे हों, तो इस चीज को नजरअन्दाज किया जा सकता है।

### वश्य

लड़के का वश्य जलचर है, जबकि लड़की मानव वश्य की है। कुण्डली मिलान के मुताबिक दोनों में एक-दूसरे के नजरिए और राय वगैरह के लिए आदर की कमी होगी, जिसके चलते उनके बीच दूरी पैदा हो सकती है। वे अपनी जज्बाती जरूरतों को एक-दूसरे को समझाने में परेशानी महसूस करेंगे। जातकों के बीच अहम्, खुशी और पारिवारिक मामलों को लेकर मतभेद हो सकता है। उनके अन्दर दूसरे में कमी ढूँढ़ने और खुद में डूबे रहने जैसी आदतें भी पनप सकती हैं। हालाँकि अगर दूसरे गुण भली प्रकार से मेल खा रहे हों तो इस विवाह के बारे में आगे सोचा जा सकता है।

### तारा

लड़का वध तारा के अन्तर्गत आता है और लड़की साधक तारा से संबंधित है। रिश्ते में सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक परेशानियाँ खड़ी हो सकती हैं। लड़का अहम्केन्द्रित होगा और रंगों से भरे व्यक्तित्व वाली लड़की के लिए कुछ फीका हो सकता है। लड़की आलोचना स्वीकार करने में असमर्थ होगी और उसका कड़ा प्रतिरोध करेगी। जातकों के बीच संवाद का अभाव होगा, जो आपसी दूरी को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। चूँकि दोनों का स्वभाव ही बदलता रहने वाला होगा, इसलिए दोनों के लिए एक-दूसरे के मूड और जज्बात को समझना मुश्किल होगा। लेकिन हम व्यापक कुण्डली मिलान को प्राथमिकता देते हैं। अतः अगर व्यापक तौर पर कुण्डली मिलान हो रहा हो, तो इस संयोग पर विचार करने में कोई हानि नहीं है।



# ज्योतिषीय परामर्श लें

हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषियों से

अभी परामर्श लें >

**योनी**

लड़का बिलाव योनि से संबंधित है और लड़की सर्प योनि के अन्तर्गत आती है। आम तौर पर इसे मुश्किल संयोग माना जाता है, क्योंकि दोनों के व्यक्तित्वों में भारी फर्क है। उन्हें अपनी खुदगर्जी और दूसरे को अपने काबू में करने की कोशिशों को छोड़ने की जरूरत है और इस रिश्ते की कामयाबी के लिए आपसी समझ को विकसित करने की आवश्यकता है। मुमकिन है कि दोनों एक-दूसरे पर अपना वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश करें। वे मूलतः ऊर्जस्वी और दृढ़निश्चयी हो सकते हैं, लेकिन इस रिश्ते में वे अड़ियल और जिद्दी बर्ताव करेंगे। शारीरिक तौर पर संभव है कि उनमें अच्छा सामंजस्य न हो।

**मैत्री**

लड़का राशि—स्वामी चन्द्र के अन्तर्गत आता है और लड़की बुध के स्वामित्व से संबंधित है। ऋषियों के मतानुसार यह संबंध अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच वादविवाद और असहमति हो सकती है। साथ ही इस संयोग में संतति की हानि होने और उसे लेकर अक्सर कहासुनी होने की भी संभावना है। दोनों ही जिद्दी और अपनी बात पर जोर देने वाले होंगे तथा एक-दूसरे के साथ असहज महसूस करेंगे। दोनों में एक-दूसरे की भावनाओं को लेकर बुनियादी समझ की कमी होगी और अपने बारे में वे ज्यादा सोचेंगे। हालाँकि अगर दूसरे गुण मिलते हैं तो इस संबंध पर विचार किया जा सकता है।

**गण**

लड़का राक्षस गण से संबद्ध है और लड़की देव गण के अन्तर्गत आती है। जैसा कि नामों से स्पष्ट है, ऋषियों ने इसे अच्छा संयोग नहीं माना है। इस रिश्ते में आक्रामकता और समझ की कमी होगी। आम तौर पर ऐसे रिश्तों में समर्पण का अभाव होता है और रिश्ते की मजबूती के लिए जरूरी यकीन की भी कमी होती है। दोनों का स्वभाव और जिन्दगी का फलसफा एक-दूसरे से विपरीत होगा। लड़का महसूस कर सकता है कि लड़की लालची, जरूरत से ज्यादा मांग करने वाली और कभी-कभी अनैतिक भी है। जबकि लड़की को लग सकता है कि लड़का आलसी है और दुनियादारी के मामलों में उसे व्यावहारिक समझ नहीं है, जिस वजह से अक्सर घरेलू वाद-विवाद हो सकते हैं। इस संयोग में पारिवारिक और आर्थिक मामलों को लेकर मतभेद बने रहने की संभावना है।

**भकूट**

लड़के की भकूट राशि कर्क है और लड़की मिथुन भकूट से संबंधित है। यह द्वादश (२-१२) स्थिति कहलाती है, जिसे वैदिक ज्योतिष में उत्तम नहीं माना जाता है। साथ ही यह उनके स्वभावों और समझ में भी बुनियादी फर्क दिखाती है। वे एक-दूसरे की भावनाओं और सोच को समझने में कठिनाई महसूस करेंगे। लड़का कभी-कभी कुछ ज्यादा ही मांग करेगा, जबकि लड़की खुद में ही इतनी खोयी हुई होगी कि लड़के के लिए उसके पास वक्त की कमी होगी। लड़के में वफादारी और देखभाल करने की इच्छा का अभाव होगा। लड़की उससे काफी-कुछ मांग रखने वाली होगी और वह कभी-कभी तीखे व्यंग्य-बाण भी उसपर चलाएगी।

### नाड़ी

लड़के की नाड़ी अन्त्य है और लड़की मध्य नाड़ी के अन्तर्गत आती है। नाड़ी मिलान के दृष्टिकोण से यह उत्तम संयोग है। जातक स्वभाव से उदार व आध्यात्मिक होंगे और एक-दूसरे के लिए सद्भाव से भरे होंगे। उनका मिलन आध्यात्मिक स्तर पर होगा और वे दिल की गहराई से एक-दूसरे को प्यार करते होंगे। दोनों का रुझान धार्मिकता की तरफ होगा तथा सामाजिक, सांस्कृतिक और दान-पुण्य के कामों में समान रुचि से भागीदारी करेंगे। दोनों एक-दूसरे के प्रति काफी खुले दिलो-दिमाग के होंगे और एक-दूसरे के कैरियर को ऊँचाई पर ले जाने में मददगार साबित होंगे।

### अस्वीकरण

हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह रिपोर्ट बनाने में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं, लेकिन यहाँ दी गयी हमारी कोई भी भविष्यवाणी किसी डॉक्टर, वकील, मनोरोग चिकित्सक या वित्तीय सलाहकार आदि द्वारा प्राप्त चिकित्सा, सलाह, विश्लेषण या राय का विकल्प नहीं है। यद्यपि हम आपको सटीक गणनाएँ देने का प्रयत्न करते हैं, लेकिन किसी त्रुटि की गुंजाइश से इंकार नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट को तथ्यात्मक तौर पर प्रस्तुत किया गया है और हम कोई गारंटी, वॉरंटी, किसी प्रकार का भरोसा या दिलासा नहीं देते हैं, अतः हम इस रिपोर्ट के किसी भी तरह के विश्लेषण या इसमें दी गयी सूचनाओं के उपयोग के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। यदि आप इसमें दी गयी सूचनाओं को लेकर सहज या आश्वस्त नहीं हैं, तो कृपया इनका उपयोग न करें। किसी मतभेद की स्थिति में वैधानिक समस्याओं का निराकरण केवल आगरा, उत्तर प्रदेश (भारत) के न्यायालयों में ही होगा।

## बृहत् कुंडली

अब तक की सबसे विस्तृत कुंडली

250+ पृष्ठ | ~~₹2100~~ ₹799 सिर्फ

अभी ऑर्डर करें

